International Journal for Multidisciplinary Research
Plagiarism & Intellectual Property Rights in Digital Age (PIPRDA-2023)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

डिजिटल युग में साहित्यिक चोरी एवं बौद्धिक संपदा अधिकार

Dr. Kala Morya

Assit. Prof. Hindi, Govt Girls P G College, Ujjain

डिजिटल युग में साहित्यिक चोरी एवं बौद्धिक संपदा अधिकार शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान शिक्षण और नए शोध के सूत्रीकरण में लगे हुए हैं शोध प्रकाशन में प्रमुख समस्या साहित्यिक चोरी हैं, स्रोत के उचित उदाहरण के बिना प्रकाशित कार्य की प्रतिलिपि बनाना । शैक्षणिक सत्यनिष्ठा इंटरनेट से समनुदेशन के पूर्ण या आंशिक अनुच्छेदों को डाउनलोड करने, कॉपी करने और चिपकाने का उल्लंघन करती है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)ने छात्रों कर्मचारियों और शोधकर्ताओं द्वारा जमा की गई साहित्यिक चोरी को रोकने के लिए 2018 में "उच्च शिक्षा" संस्थानों में साहित्यिक चोरी की रोकथाम" विनियमन पेश किया है । यूजीसी ने एन्टी प्लेजरिज्म चेकर सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए प्रतिशत के आधार पर साहित्यिक चोरी के चार स्थान निर्धारित किए हैं। साहित्यिक चोरी एक महत्वपूर्ण चिंता बन गई है, और शोधकर्ता अपने काम की रक्षा करना चाहते हैं। सामग्री की मौलिकता की जांच के लिए विभिन्न वाणिज्यिक साहित्यिक चोरी जांचकर्ता उपकरण उपलब्ध है, जैसे टनिटिन,उरकंड आदि। यह समीक्षा साहित्यिक चोरी साहित्यिक चोरी के प्रकार अनुसंधान समुदाय के बीच साहित्यिक चोरी के कारणों साहित्यिक चोरी को रोकने के लिए यूजीसी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों और विनियमों साहित्यिक चोरी के स्तर है।

बौद्धिक संपदा क्या है ?बौद्धिक संपदा मस्तिष्क, मन, दिमाग की उपज को कहा जाता है । या मन की रचनाओं को संदर्भित करती हैं, जैसे कि अविष्कार साहित्यिक और कलात्मक कार्य,डिजाइन, और वाणिज्य में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक कार्य आईपी कानून में संरक्षित है, उदाहरण के लिए पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क जो लोगों को उनके द्वारा अविष्कार या निर्माण से मान्यता या वित्तीय लाभ अर्जित करने में सक्षम बनाता है ।नवोन्वेषकों के हितों और व्यापक सार्वजनिक हित के बीच सही संतुलन बनाकर आईपी प्रणाली का उद्देश्य एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देना है। जिसमें रचना रचनात्मकता और नवाचार फल फूल सके। बौद्धिक संपदा कला के कार्यों से लेकर अविष्कारों तक कंप्यूटर प्रोग्राम से लेकर ट्रेडमार्क और अन्य व्यवसायिक संकेतों तक सब कुछ यह आई पी के मुख्य प्रकारों को परिचय देती है और बताती है कि कानून उनकी सुरक्षा कैसे करता है ।यह आईपी सेवाओं, नीति सूचना और सहयोग के लिए वैश्विक मंच डब्ल्यू आईपीओ के काम का भी परिचय देती है ।

बौद्धिक संपदा के प्रकार

१.कॉपीराइट

२. पैटर्न

३.ट्रेडमार्क

४.औद्योगिक डिजाइन

५.भौगोलिक संकेत

६.व्यापार रहस्य

१. कॉपीराइट

कॉपीराइट एक कानूनी शब्द है जिसका उपयोग रचनाकारों के साहित्यिक और कलात्मक कार्यों के अधिकारों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। जैसे पुस्तकों,संगीत, चित्रों, मूर्तिकला और फिल्मों से लेकर कंप्यूटर प्रोग्राम, डेटाबेस, विज्ञापन, मानचित्र और तकनीकी चित्र तक कॉपीराइट की श्रेणी में आते हैं।

२. पैटेंट

पैटेंट एक अविष्कार के लिए दिया गया एक विशेष अधिकार है। सामान्यतया, एक पैटेंट पैटेंट मालिक को यह तय करने का अधिकार प्रदान करता है कि कैसे या अविष्कार का उपयोग दूसरों द्वारा किया जा सकता है या नहीं । इस अधिकार के बदले में पेटेंट स्वामी प्रकाशित पैटेंट दस्तावेजों में अविष्कार के बारे में तकनीकी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराता है।

अविष्कारों को भारत में ही प्रोत्साहित करने के लिए शर्त लगाई गई कि उन पर व्यापारिक काम भारत में ही होना चाहिए। और पेटेंट का मतलब केवल इजारेदारी के फायदे उठाने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए ।यह भी तय हुआ कि अगर तीन साल के बाद भी पेटेंट का फायदा आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है और उसके कारण बना उत्पाद वाजिब दामों में नहीं मिल रहा है तो उसे अनिवार्य लाइसेंसिंग के तहत लाया जा सकता है । एक 'लाइसेंस आँव राइट्स' नामक प्रावधान किया गया जिसके तहत पेटेंटों के महानियंत्रक से सरकार कह सकती है कि वह अमुक पेटेंट पर का 'लाइसेंस आँव राइट्स' की मुहर लगाकर ही भेजें अगर यह शर्तें पूरी नहीं हो पा रही हैं। इस तरह खाद्य और दवा संबंधी पेटेंट व्यवहारिक रूप से तीन साल के बाद अनिवार्य लाइसेंसिंग के तहत अपने आप आने लगे । दो साल बाद भी अपेक्षित लाभ मिलते न दिखाई देने पर पेटेंट लाइसेंस रद्द कर देने का प्रावधान भी रखा गया।

3. ट्रेडमार्क

ट्रेडमार्क एक प्रकार का संकेत हैं जो एक उद्यम की वस्तुओं या सेवाओं को अन्य उद्योगों से या उद्योगों से अलग करने में सक्षम है। ट्रेडमार्क, प्राचीन काल के हैं जब कारीगर अपने उत्पादों पर अपने हस्ताक्षर या चिन्ह लगाते थे।

4. औद्योगिक डिजाइन

एक औद्योगिक डिजाइन एक लेख के सजावटी या सौंदर्य संबंधी पहलू का गठन करता है एक डिजाइन में त्रि-आयामी विशेषताएं शामिल हो सकती हैं जैसे किसी वस्तु का आकार या सतह या द्वि -आयामी विशेषताएं जैसे पैटर्न ,रेखाएं या रंग ।

5. भौगोलिक संकेत

भौगोलिक संकेत और उत्पत्ति के पदनाम उन वस्तुओं पर उपयोग किए जाने वाले संकेत हैं ।जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती हैं । और गुण एक प्रतिष्ठान विशेषताएं होती हैं जो मूल रूप से उस स्थान के लिए जिम्मेदार होती हैं । आमतौर पर एक भौगोलिक संकेत में माल की उत्पत्ति के स्थान का नाम शामिल होता है ।

6. व्यापार रहस्य

व्यापार रहस्य गोपनीय जानकारी आईपी अधिकार है जिन्हें बेचा या लाइसेंस दिया जा सकता है। इस तरह की गुप्त जानकारी का अनाधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या प्रकटीकरण दूसरों द्वारा ईमानदार वाणिज्यिक प्रथाओं के विपरीत एक अनुच्छेद अध्ययन या अभ्यास और व्यापार रहस्य संरक्षण का उल्लंघन माना जाता है।

Reference :

1. https://www.dubaicustoms.gov.ae
2. https://www.dubaicustoms.gov.ae/en/IPR/Pages/WhatIsIPR.aspx
3. https://en.wikipedia.org/wiki/Intellectual_property